FOR POLICE AND SECURITY FORCES

JUNGLE WARFARE *and* GUERRILLA OPERATIONS

POLICE TRAINING MANUAL)

COUNTER-INSURGENCY TACTICS • JUNGLE SURVIVAL TECHNIQUES • OPERATIONAL TACTICS

PkP

BA, BLS LL.B., LL.M | 35 Years of Armed Police Field Duty Experience

SimpleNotes Publication

जंगल वारफेयर एवं गुरिल्ला ऑपरेशन

पुलिस प्रशिक्षण मार्गदर्शिका (Police Training Manual)

PkP

BA, BLS LL.B, LL.M

35 Years of Armed Police Field Duty Experience

SimpleNotes Publication

Copyright Page

कॉपीराइट © 2026 – PkP

सर्वाधिकार सुरक्षित।

इस पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में (इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, फोटोकॉपी आदि) पुनः प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जा सकता।

यह पुस्तक केवल शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण उद्देश्य के लिए तैयार की गई है। इसमें दी गई जानकारी वास्तविक पुलिस प्रशिक्षण अनुभव एवं उपलब्ध स्रोतों पर आधारित है।

इस पुस्तक की सामग्री को अधिक स्पष्ट एवं उपयोगी बनाने हेतु आधुनिक तकनीक (AI सहायता) का सीमित उपयोग किया गया है।

समर्पण

यह पुस्तक समर्पित है—

उन सभी पुलिस जवानों,
कांस्टेबलों, सब-इंस्पेक्टरों एवं
देश की सुरक्षा में लगे प्रत्येक कर्मी को,

जो कठिन परिस्थितियों में
जंगल, पहाड़ और दुर्गम क्षेत्रों में
अपना कर्तव्य निभाते हैं।

आपकी सेवा, साहस और समर्पण ही
इस पुस्तक की प्रेरणा है।

अस्वीकरण (Disclaimer Page)

यह पुस्तक केवल **प्रशिक्षण, शैक्षिक एवं मार्गदर्शन (Training, Educational & Guidance Purpose)** के लिए तैयार की गई है। इसमें दी गई जानकारी का उद्देश्य पाठकों को विषय की समझ प्रदान करना है, न कि किसी आधिकारिक सरकारी नियमावली (Official Government Manual) का प्रतिस्थापन करना।

पाठकों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी वास्तविक ऑपरेशन, प्रशिक्षण या संवेदनशील परिस्थितियों में संबंधित विभाग द्वारा जारी आधिकारिक दिशानिर्देशों (Official Guidelines) एवं आदेशों का पालन करें।

इस पुस्तक की सामग्री को अधिक स्पष्ट, संरचित एवं उपयोगी बनाने के लिए **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence - AI) की सहायता** ली गई है। तथापि, सामग्री का अंतिम संपादन, सत्यापन एवं प्रस्तुति लेखक के अनुभव एवं समझ के आधार पर किया गया है।

लेखक एवं प्रकाशक इस पुस्तक में दी गई जानकारी के किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष उपयोग से उत्पन्न होने वाले परिणामों के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

इस पुस्तक का उद्देश्य केवल ज्ञानवर्धन (Knowledge Enhancement) एवं प्रशिक्षण सहायता (Training Support) प्रदान करना है।

प्रस्तावना

मेरे पुलिस जीवन के लगभग 35 वर्षों के अनुभव में मैंने यह देखा है कि आज के समय में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। पारंपरिक युद्धों के स्थान पर अब गुरिल्ला युद्ध (Guerrilla Warfare) और असममित युद्ध (Asymmetric Warfare) का महत्व बहुत अधिक बढ़ गया है। विशेषकर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों एवं जंगलों में कार्य करते समय पुलिस बल को एक अलग प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

इस पुस्तक को लिखने का उद्देश्य केवल सैद्धांतिक ज्ञान देना नहीं है, बल्कि जवानों को वास्तविक परिस्थितियों के लिए तैयार करना है। इसमें गुरिल्ला युद्ध के सिद्धांत, टैक्टिक्स (Tactics), मनोवैज्ञानिक पहलू, काउंटर मेजर्स (Counter Measures) तथा सिविक एक्शन (Civic Action) जैसे महत्वपूर्ण विषयों को सरल भाषा में समझाया गया है।

मैंने अपने अनुभव में यह पाया है कि केवल हथियार और बल पर्याप्त नहीं होते, बल्कि सही रणनीति, स्थानीय जानकारी, जनता का सहयोग तथा मानसिक दृढ़ता ही सफलता की कुंजी होती है। इस पुस्तक में इन्हीं पहलुओं को विस्तार से समझाने का प्रयास किया गया है।

मेरा विश्वास है कि यह पुस्तक पुलिस भर्ती, कांस्टेबल, सब-इंस्पेक्टर एवं अग्निवीरों के लिए एक उपयोगी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी और उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अधिक सक्षम बनाएगी।

— PkP

विषय सूचि

Copyright Page 3

समर्पण 4

अस्वीकरण (Disclaimer Page) 5

प्रस्तावना 6

Chapter 1-गुरिल्ला युद्ध – परिभाषा, प्रकृति एवं इतिहास 15

परिचय (Introduction) 15

गुरिल्ला युद्ध का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning & Definition) 15

गुरिल्ला युद्ध की प्रकृति (Nature of Guerrilla Warfare) 16

गुरिल्ला युद्ध के आधार (Basic Principles) 17

गुरिल्ला युद्ध का इतिहास (History of Guerrilla Warfare) 17

अध्याय का सार (Chapter Summary) 18

Chapter 2-गुरिल्ला टैक्टिक्स एवं काउंटर मेजर्स (Guerrilla Tactics & Counter Measures) 19

परिचय (Introduction) 19

गुरिल्ला टैक्टिक्स का स्वरूप (Nature of Guerrilla Tactics) 19

हिट एंड रन रणनीति (Hit & Run Tactics) 20

स्थानीय समर्थन का महत्व (Importance of Local Support) 20

गुरिल्ला ऑपरेशन के चरण (Phases of Guerrilla Warfare) 21

(1) **प्रारंभिक चरण (**Initial Phase) 21

(2) **विस्तार चरण (**Expansion Phase) 22

(3) निर्णायक चरण (Decisive Phase) 22

गुरिल्ला की प्रमुख रणनीतियाँ (Key Guerrilla Strategies) 22

काउंटर मेजर्स (Counter Measures by Police & Security Forces) 23

व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Perspective) 24

अध्याय का सार (Chapter Summary) 24

Chapter 3-गुरिल्ला युद्ध का मनोविज्ञान (Psychology of Guerrilla Warfare) 25

परिचय (Introduction) 25

मनोवैज्ञानिक युद्ध (Psychological Warfare) 25

डर और असुरक्षा का निर्माण (Creation of Fear & Insecurity) 26
प्रोपेगैंडा (Propaganda Techniques)..... 26
जनता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव (Impact on Local Population)..... 27
सुरक्षा बलों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव (Impact on Security Forces) 28
काउंटर मनोवैज्ञानिक रणनीतियाँ (Counter Psychological Measures)..... 28
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 29
अध्याय का सार (Chapter Summary) 30
Chapter 4-गुरिल्ला युद्ध एवं सरकार की भूमिका (Guerrilla Warfare & Role of Government) 31
परिचय (Introduction) 31
नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की वास्तविकता (Ground Reality of Affected Areas)..... 31
शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी..... 31
गुरिल्ला की रणनीति और प्रशासनिक कमजोरी (Exploiting Governance Gaps)..... 32
सरकार की भूमिका (Role of Government) 33
(1) सुरक्षा स्तर (Security Approach) 33
(2) विकास स्तर (Development Approach) 33
(3) **प्रशासनिक एवं सामाजिक स्तर (**Administrative & Social Approach)..... 34
सुरक्षा और विकास के बीच संतुलन (Security vs Development Balance)..... 34
सिविक एक्शन और सरकार की पहल (Government Initiatives & Civic Action)..... 35
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 35
अध्याय का सार (Chapter Summary) 36
Chapter 5-सिविक एक्शन एवं जनसंपर्क रणनीति (Civic Action & Public Interface Strategy) 37
परिचय (Introduction)..... 37
सिविक एक्शन का अर्थ (Meaning of Civic Action) 37
सिविक एक्शन प्रोग्राम (Civic Action Program – CAP)..... 38
जनता के साथ विश्वास निर्माण (Building Trust with Local Population)..... 38
गुरिल्ला के प्रभाव को कम करना (Reducing Guerrilla Influence)..... 39
सिविक एक्शन की सीमाएँ और सावधानियाँ (Limitations & Precautions)..... 39

जनसंपर्क रणनीति (Public Interface Strategy) 40
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight).....41
अध्याय का सार (Chapter Summary).....41
Chapter 6-ऑपरेशनल डूज एंड डॉन्ट्स (Operational Do's & Don'ts – Field Discipline) 42
परिचय (Introduction).....42
ऑपरेशन से पहले की तैयारी (Pre-Operation Preparedness) 42
ऑपरेशन के दौरान सावधानियाँ (During Operation Discipline) 43
एम्बुश (Ambush) से बचाव (Counter-Ambush Awareness).....44
ऑपरेशन के बाद की कार्यवाही (Post-Operation Conduct).....45
टीम अनुशासन और नेतृत्व (Team Discipline & Leadership).....46
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight).....46
अध्याय का सार (Chapter Summary).....47
Chapter 7-जंगल का परिचय एवं प्रकार (Nature & Types of Jungle) 48
परिचय (Introduction).....48
जंगल क्या है? (What is Jungle?).....48
जंगल की मुख्य विशेषताएँ (Key Characteristics of Jungle Terrain) 49
(1) सीमित दृश्यता (Limited Visibility): 49
(2) कठिन मूवमेंट (Difficult Movement): 49
(3) प्राकृतिक छिपाव (Natural Concealment):.....49
(4) संचार बाधा (Communication Difficulty): 49
जंगल के प्रकार (Types of Jungle) 49
(1) **घना जंगल (**Dense Forest).....50
(2) **विरल जंगल (**Sparse Forest) 50
(3) **पहाड़ी जंगल (**Hilly Jungle) 50
(5) **मिश्रित जंगल (**Mixed Terrain Jungle).....51
जंगल का ऑपरेशन पर प्रभाव (Impact on Operations) 51
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight).....52
अध्याय का सार (Chapter Summary).....52

Chapter 8-जनजातीय जीवन एवं जंगल पर निर्भरता (Tribal Life & Dependence on Forest) 53
परिचय (Introduction) 53
जनजातीय जीवन की विशेषताएँ (Characteristics of Tribal Life) 53
जंगल पर निर्भरता (Dependence on Forest) 54
जनजातीय समाज और गुरिल्ला का संबंध (Tribal–Guerrilla Interface) 55
पुलिस और सुरक्षा बलों के लिए महत्व (Operational Importance for Forces) 55
व्यवहार एवं संवेदनशीलता (Conduct & Sensitivity in Field) 56
चुनौतियाँ (Challenges in Tribal Areas) 57
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 57
अध्याय का सार (Chapter Summary) 57
Chapter 9-जंगल कानून एवं सुरक्षा परिप्रेक्ष्य (Forest Laws & Security Perspective) 59
परिचय (Introduction) 59
जंगल से संबंधित प्रमुख कानून (Key Forest & Tribal Laws) 59
(1) Indian Forest Act, 1927 59
(2) Forest Rights Act, 2006 60
(3) Panchayats (Extension to Scheduled Areas) Act, 1996 60
कानून और ऑपरेशन का संबंध (Law & Operations Interface) 61
जनजातीय अधिकार और पुलिस की भूमिका (Tribal Rights & Police Responsibility) ... 61
सुरक्षा परिप्रेक्ष्य (Security Perspective) 62
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव) 62
चुनौतियाँ (Practical Challenges) 63
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 63
अध्याय का सार (Chapter Summary) 63
Chapter 10-जंगल सर्वाइवल: सिद्धांत एवं तकनीक (Jungle Survival – Principles & Techniques) 64
परिचय (Introduction) 64
सर्वाइवल का मूल सिद्धांत (Basic Survival Principles) 64
सुरक्षा (Security First) 65

पानी का महत्व (Importance of Water) 65
आश्रय (Shelter Management) 66
भोजन (Food Consideration) 66
दिशा एवं नेविगेशन (Navigation & Direction Sense) 67
ऊर्जा प्रबंधन (Energy Management) 67
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव) 68
मानसिक दृढ़ता (Mental Resilience) 68
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 68
अध्याय का सार (Chapter Summary) 69
Chapter 11-जंगल में भोजन एवं पानी प्रबंधन (Food & Water Management in Jungle) 70
परिचय (Introduction) 70
पानी का महत्व और प्राथमिकता (Water – First Priority) 70
पानी के स्रोतों की पहचान (Identifying Water Sources) 71
पानी को सुरक्षित बनाना (Water Purification Techniques) 71
(1) उबालना (Boiling): 71
(2) **फिल्टर करना (**Filtering): 72
(3) केमिकल ट्रीटमेंट (Chemical Treatment): 72
पानी का प्रबंधन (Water Discipline) 72
भोजन का महत्व (Importance of Food) 72
जंगल में भोजन के स्रोत (Food Sources in Jungle) 73
भोजन का सुरक्षित उपयोग (Safe Consumption Practices) 73
भोजन और ऊर्जा प्रबंधन (Food & Energy Balance) 73
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव) 74
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 74
अध्याय का सार (Chapter Summary) 75
Chapter 12-जंगल सर्वाइवल – Do’s & Don’ts (Field Survival Discipline) 76
परिचय (Introduction) 76
सर्वाइवल में अनुशासन का महत्व (Importance of Discipline in Survival) 76
सामान्य गलतियाँ (Common Survival Mistakes) 77

जंगल सर्वाइवल – Do’s (क्या करें) 78
जंगल सर्वाइवल – Don’ts (क्या न करें) 78
सतर्कता और अवलोकन (Alertness & Observation) 79
टीम समन्वय (Team Coordination) 79
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव) 79
मानसिक नियंत्रण (Mental Control) 80
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 80
अध्याय का सार (Chapter Summary) 81
Chapter 13-जंगल में फर्स्ट एड एवं स्वास्थ्य प्रबंधन (First Aid & Health Management in Jungle) 82
परिचय (Introduction) 82
फर्स्ट एड का उद्देश्य (Objective of First Aid) 82
फर्स्ट एड के मूल सिद्धांत (Basic Principles of First Aid) 82
रक्तस्राव (Bleeding Control) 83
प्राथमिक उपाय: 83
हड्डी टूटना (Fracture Management) 83
लक्षण: 84
प्राथमिक उपाय: 84
साँप काटना (Snake Bite Management) 84
प्राथमिक उपाय: 84
जलना (Burn Injuries) 85
प्राथमिक उपाय: 85
डिहाइड्रेशन और थकान (Dehydration & Exhaustion) 85
लक्षण: 85
उपाय: 85
संक्रमण से बचाव (Infection Control) 86
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव) 86
मानसिक स्थिति का प्रबंधन (Managing Mental State of Injured Person) 86
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 87

अध्याय का सार (Chapter Summary)....87
Chapter 14-जंगल ऑपरेशन – मूवमेंट एवं संचार (Movement & Communication in Jungle Operations)....88
परिचय (Introduction)....88
जंगल में मूवमेंट का महत्व (Importance of Movement in Jungle)....88
मूवमेंट के मूल सिद्धांत (Basic Principles of Movement)....89
मूवमेंट फॉर्मेशन (Movement Formations)....89
(1) सिंगल फाइल फॉर्मेशन (Single File Formation)....89
(2) स्टैगर्ड फॉर्मेशन (Staggered Formation)....90
(3) एरोहेड फॉर्मेशन (Arrowhead Formation)....90
एम्बुश से बचाव में मूवमेंट की भूमिका (Movement & Ambush Avoidance)....90
संचार का महत्व (Importance of Communication)....91
संचार के तरीके (Methods of Communication)....91
(1) वायरलेस संचार (Radio Communication)....91
(2) हाथ के संकेत (Hand Signals)....91
(3) ध्वनि संकेत (Sound Signals)....91
(4) विजुअल संकेत (Visual Signals)....92
संचार अनुशासन (Communication Discipline)....92
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव)....92
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight)....93
अध्याय का सार (Chapter Summary)....93
Chapter 15 रात्रि ऑपरेशन एवं विशेष रणनीतियाँ (Night Operations & Special Tactics)94
परिचय (Introduction)....94
रात्रि ऑपरेशन की प्रकृति (Nature of Night Operations)....94
रात्रि ऑपरेशन की चुनौतियाँ (Challenges in Night Operations)....95
रात्रि में मूवमेंट के सिद्धांत (Night Movement Principles)....95
रात्रि में संचार (Night Communication)....95
रात्रि एम्बुश (Night Ambush)....96
काउंटर एम्बुश रणनीति (Counter-Ambush Strategy at Night)....96

मुख्य सिद्धांत:..... 96
रात्रि में सुरक्षा उपाय (Night Safety Measures) 97
Field Tip (प्रशिक्षण हेतु महत्वपूर्ण सुझाव) 97
मानसिक तैयारी (Mental Preparedness for Night Ops) 97
व्यवहारिक दृष्टिकोण (Field Insight) 98
अध्याय का सार (Chapter Summary) 98
Abbreviations (संक्षेप शब्द)..... 99
. Glossary (सरल शब्दावली) 100
Practical MCQs (प्रशिक्षण आधारित प्रश्न) 101

Chapter 1-गुरिल्ला युद्ध – परिभाषा, प्रकृति एवं इतिहास

परिचय (Introduction)

वर्तमान समय में युद्ध का स्वरूप (Nature of Warfare) पूरी तरह बदल चुका है। पहले के समय में युद्ध मुख्यतः दो नियमित सेनाओं (Regular Armies) के बीच खुले मैदान में लड़ा जाता था, जहाँ स्पष्ट मोर्चा, निर्धारित रणनीति और सीधी भिड़ंत होती थी। परंतु आधुनिक समय में यह स्थिति बदल गई है। अब युद्ध का केंद्र केवल सेना नहीं रह गया है, बल्कि समाज, भूगोल (Terrain), स्थानीय जनसंख्या और मनोवैज्ञानिक प्रभाव (Psychological Impact) भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं।

आज के दौर में जो युद्ध सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है, वह है **गुरिल्ला युद्ध (Guerrilla Warfare)**। यह एक ऐसा युद्ध है जिसमें लड़ाई खुलकर नहीं लड़ी जाती, बल्कि छिपकर, अचानक (Surprise) और योजनाबद्ध तरीके से की जाती है। इसमें छोटे-छोटे समूह (Small Armed Groups) बड़ी और संगठित सुरक्षा बलों के खिलाफ लगातार हमले करते हैं।

पुलिस बल और सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह युद्ध इसलिए अधिक कठिन हो जाता है क्योंकि इसमें दुश्मन स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता, बल्कि वह आम जनता के बीच घुल-मिलकर काम करता है। वह समय, स्थान और परिस्थिति अपने अनुसार चुनता है, जिससे सुरक्षा बलों को प्रतिक्रिया देने में कठिनाई होती है।

गुरिल्ला युद्ध का अर्थ एवं परिभाषा (Meaning & Definition)

“गुरिल्ला” शब्द स्पेनिश भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है **“छोटा युद्ध” (Small War)**। यह शब्द दो भागों से मिलकर बना है—“गुरा” (War) और “इल्ला” (Small)। इसका आशय है ऐसा युद्ध जो छोटे स्तर पर, सीमित संसाधनों के साथ, लेकिन अत्यधिक प्रभावी तरीके से लड़ा जाए।

परिभाषा के रूप में, गुरिल्ला युद्ध को इस प्रकार समझा जा सकता है: जब कुछ संगठित व्यक्ति या समूह, स्थानीय जनता के सहयोग से, छोटे-छोटे हथियारों और सीमित संसाधनों का उपयोग करते हुए, नियमित सुरक्षा बलों या सरकार के विरुद्ध अनियमित (Irregular), छापामार (Hit & Run) और रहस्यमय तरीके से युद्ध करते हैं, तो उसे गुरिल्ला युद्ध कहा जाता है।

इस प्रकार के युद्ध में पारंपरिक नियमों का पालन नहीं किया जाता। इसमें मुख्य ध्यान होता है:

- अचानक हमला (Surprise Attack)
- तेजी से कार्रवाई (Speed)
- तुरंत स्थान परिवर्तन (Quick Withdrawal)

यही कारण है कि इसे **"Hit and Run Tactics"** का प्रमुख उदाहरण माना जाता है।

गुरिल्ला युद्ध की प्रकृति (Nature of Guerrilla Warfare)

गुरिल्ला युद्ध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूरी तरह से **असममित युद्ध (Asymmetric Warfare)** होता है। इसका अर्थ है कि इसमें लड़ने वाले दोनों पक्षों की शक्ति, संसाधन और संरचना समान नहीं होती। एक तरफ संगठित सुरक्षा बल होते हैं, जबकि दूसरी तरफ छोटे, लचीले और छिपे हुए समूह होते हैं।

इस युद्ध की प्रकृति को समझने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बिंदु ध्यान में रखना आवश्यक है:

पहला, गुरिल्ला कभी भी सीधे मुकाबले (Direct Confrontation) से बचता है। वह केवल वहीं हमला करता है जहाँ उसे सफलता की संभावना अधिक होती है।

दूसरा, यह युद्ध पूरी तरह से **भूभाग (Terrain)** पर आधारित होता है। जंगल, पहाड़, दुर्गम क्षेत्र और सीमित संचार वाले इलाके गुरिल्ला के लिए अनुकूल होते हैं।

तीसरा, गुरिल्ला युद्ध में **जनता का सहयोग (Local Support)** अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। बिना स्थानीय लोगों की सहायता के गुरिल्ला लंबे समय तक टिक नहीं सकता।

चौथा, इसमें **मनोवैज्ञानिक प्रभाव (Psychological Pressure)** बहुत बड़ा हथियार होता है। लगातार छोटे-छोटे हमलों से सुरक्षा बलों पर मानसिक दबाव बनाया जाता है, जिससे उनका मनोबल प्रभावित होता है।

इस प्रकार, गुरिल्ला युद्ध केवल हथियारों की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह रणनीति, धैर्य, जानकारी और मनोविज्ञान का संयुक्त खेल है।

गुरिल्ला युद्ध के आधार (Basic Principles)

किसी भी गुरिल्ला ऑपरेशन की सफलता कुछ मूल सिद्धांतों पर निर्भर करती है।

सबसे पहला सिद्धांत है—**"अपने दुश्मन और अपने आप को जानो" (Know Your Enemy & Yourself)**। जब तक दुश्मन की ताकत, कमजोरी, रणनीति और मूवमेंट की सही जानकारी नहीं होगी, तब तक प्रभावी कार्रवाई संभव नहीं है।

दूसरा महत्वपूर्ण सिद्धांत है—**इलाके और जनता की जानकारी (Knowledge of Area & People)**। जिस क्षेत्र में ऑपरेशन किया जा रहा है, वहाँ के रास्ते, जंगल, पानी के स्रोत और स्थानीय लोगों की मानसिकता को समझना अत्यंत आवश्यक है।

तीसरा सिद्धांत है—**लचीलापन (Flexibility)**। गुरिल्ला युद्ध में कोई निश्चित योजना लंबे समय तक नहीं चलती। परिस्थिति के अनुसार तुरंत निर्णय लेना और रणनीति बदलना आवश्यक होता है।

इन सिद्धांतों को समझे बिना गुरिल्ला युद्ध में सफलता प्राप्त करना अत्यंत कठिन है।

गुरिल्ला युद्ध का इतिहास (History of Guerrilla Warfare)

गुरिल्ला युद्ध का इतिहास बहुत पुराना है। इसका उल्लेख प्राचीन समय से मिलता है, लेकिन इसे व्यवस्थित रूप में समझने का प्रयास सबसे पहले छठी शताब्दी में चीनी सैन्य विचारक Sun Tzu

द्वारा किया गया था। उनकी प्रसिद्ध पुस्तक *"The Art of War"* में उन्होंने गति (Speed), धोखे (Deception) और अचानक हमले (Surprise) को युद्ध का मूल आधार बताया।

इतिहास में देखा जाए तो लगभग 2000 वर्ष पूर्व चीन में गुरिल्ला युद्ध का प्रयोग किया गया था। बाद में इसे स्पेन ने अपनाया, विशेषकर उस समय जब उन्होंने नेपोलियन के विरुद्ध संघर्ष किया।

प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी कई देशों ने गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई। रूस, वियतनाम और क्यूबा जैसे देशों में यह युद्ध अत्यधिक प्रभावी सिद्ध हुआ।

भारत के संदर्भ में, 17वीं शताब्दी में **छत्रपति शिवाजी महाराज** ने गुरिल्ला युद्ध का अत्यंत सफल प्रयोग किया। उन्होंने छोटे-छोटे समूहों में संगठित होकर, जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों का लाभ उठाते हुए, बड़ी मुगल सेना को कई बार पराजित किया।

आधुनिक समय में भारत के कई राज्यों—जैसे छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र आदि—में नक्सलवादी गतिविधियों में गुरिल्ला युद्ध की रणनीति का व्यापक उपयोग देखा जाता है। यह दर्शाता है कि यह युद्ध पद्धति आज भी उतनी ही प्रासंगिक और चुनौतीपूर्ण है।

अध्याय का सार (Chapter Summary)

गुरिल्ला युद्ध आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती है। यह युद्ध पारंपरिक नियमों से अलग होता है और इसमें रणनीति, भूभाग, स्थानीय समर्थन तथा मनोवैज्ञानिक प्रभाव की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

किसी भी पुलिस या सुरक्षा बल के जवान के लिए यह आवश्यक है कि वह गुरिल्ला युद्ध की मूल अवधारणा, उसके सिद्धांत और इतिहास को भली-भांति समझे। क्योंकि जब तक हम दुश्मन की कार्यप्रणाली को नहीं समझेंगे, तब तक उसके खिलाफ प्रभावी रणनीति बनाना संभव नहीं होगा।

Chapter 2-गुरिल्ला टैक्टिक्स एवं काउंटर मेजर्स (Guerrilla Tactics & Counter Measures)

परिचय (Introduction)

गुरिल्ला युद्ध को समझने के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण है उसकी **कार्यप्रणाली (Operational Methodology)** को समझना। केवल यह जान लेना कि गुरिल्ला युद्ध क्या है, पर्याप्त नहीं है; बल्कि यह समझना अधिक आवश्यक है कि गुरिल्ला वास्तव में जमीन पर कैसे काम करता है, किस प्रकार अपने ऑपरेशन की योजना बनाता है, और किस तरह सुरक्षा बलों को चुनौती देता है।

व्यवहारिक दृष्टि से देखा जाए तो गुरिल्ला युद्ध एक **संगठित लेकिन अनियमित (Organized yet Irregular)** प्रणाली है। इसमें कोई निश्चित युद्ध रेखा (Frontline) नहीं होती, बल्कि पूरा क्षेत्र ही युद्धक्षेत्र (Battlefield) बन जाता है। गुरिल्ला लड़ाके समय, स्थान और परिस्थिति को अपने अनुकूल बनाकर ऑपरेशन करते हैं।

पुलिस एवं सुरक्षा बलों के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि गुरिल्ला केवल हथियारों से नहीं लड़ता, बल्कि **सूचना (Intelligence), भ्रम (Deception), स्थानीय समर्थन (Local Support)** और **भूभाग (Terrain)** का उपयोग करके लड़ता है।

गुरिल्ला टैक्टिक्स का स्वरूप (Nature of Guerrilla Tactics)

गुरिल्ला टैक्टिक्स पारंपरिक सैन्य रणनीतियों से बिल्कुल अलग होती हैं। जहाँ एक नियमित सेना स्पष्ट आदेश, संरचना और फॉर्मेशन के साथ कार्य करती है, वहीं गुरिल्ला छोटे-छोटे समूहों में बंटकर लचीले (Flexible) तरीके से कार्य करता है।

इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि गुरिल्ला कभी भी **"जहाँ नुकसान होने की संभावना अधिक हो, वहाँ लड़ाई नहीं करता"**। वह हमेशा ऐसे स्थान और समय का चयन करता है जहाँ:

- सुरक्षा बल कमजोर स्थिति में हों

- इलाके का लाभ उसे मिले
- अचानक हमला संभव हो

इस प्रकार, गुरिल्ला युद्ध का मूल सिद्धांत है—**"लड़ाई को नियंत्रित करो, लड़ाई में मत फंसो"** (Control the Fight, Don't Get Trapped in It)।

हिट एंड रन रणनीति (Hit & Run Tactics)

गुरिल्ला युद्ध की सबसे प्रमुख रणनीति है **"Hit and Run"**। इसका अर्थ है—अचानक हमला करना और तुरंत वहाँ से हट जाना।

इस रणनीति के पीछे स्पष्ट सोच होती है:

- लंबे समय तक रुकना = खतरा बढ़ाना
- तेज हमला = अधिक प्रभाव
- जल्दी हटना = सुरक्षा

उदाहरण के रूप में, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में अक्सर देखा गया है कि गुरिल्ला:

- पहले से एम्बुश (Ambush) की योजना बनाता है
- सुरक्षा बलों की मूवमेंट पर नजर रखता है
- अचानक हमला करता है
- और फिर जंगल में गायब हो जाता है

इस प्रकार के हमलों में उद्देश्य केवल नुकसान पहुँचाना नहीं होता, बल्कि **भय और अस्थिरता** (Fear & Uncertainty) पैदा करना भी होता है।

स्थानीय समर्थन का महत्व (Importance of Local Support)

गुरिल्ला युद्ध की रीढ़ (Backbone) है—**स्थानीय जनता का समर्थन**।